

5427

8

(क) नियमाः

(ख) समाधि

(ग) आसन

[This question paper contains 8 printed pages.]



02.01.2024(M)
Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5427

G

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A (H.) Sanskrit (DSE)
(LOCF)

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

(1000)

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(12×3=36)

Answer any three of the following questions :

- (i) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित अष्टांग-योग का वर्णन कीजिए।

Describe the Aṣṭāṅgayoga as mentioned in the Yoga philosophy of Patanjali.

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :- (3.5×2=7)

Explain any two of the following :

(क) तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोगीतिविच्छेदः प्राणायामः ।

(ख) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(ग) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः ।

4. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :-

(7)

Write short note in Sanskrit of any one of the following :

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ॥

(घ) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ॥

अथवा / OR

ये तु धर्म्यमृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ॥

(ङ) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ॥

(ii) 'श्रोतव्य श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्रोपपत्तिभिः।' के आधार पर ब्रह्मसाक्षात्कार के साधन श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (sravana), Reflection (manana) and meditation (nididhyasana) as methods of Self-presentation on this basis the statement 'Srotavya srutivakyebyo mantavyascopepattibhih'.

(iii) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of "Karma-Yoga" for a balanced living on the basis of Gita.

(iv) योगदर्शन में प्रतिपादित योग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए।